



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 5 अप्रैल, 2004/16 चैत्र, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, बिलासपुर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

बिलासपुर, 25 मार्च, 2004

संख्या बी० एल० पी० पंच-6-16/79-II-1445-50.—क्योंकि श्री श्याम लाल, सदस्य, ग्राम पंचायत बामटा, विकास खण्ड सदर, जिला बिलासपुर को इस कार्यालय के पंजीकृत पत्र संख्या बी० एल० पी० पंच-2649-53, दिनांक 18-10-2003 के अनुसार हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(I) व 2(II) के अन्तर्गत नोटिस जारी किया गया था कि ग्राम पंचायत बामटा के परिवार रजिस्टर भाग-I के अनुसार उक्त श्री श्याम लाल की तीन सन्तानें हैं, जो कि दिनांक 2-9-1998, 21-6-2002 तथा 12-6-2003 को पैदा हुई है और वह पंच पद पर रहने के योग्य नहीं हैं, और क्यों न उनके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(I) व 2(II) तथा 131(2) जो हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत संशोधित है, के प्रावधानाधीन उन्हें अयोग्य घोषित कर उनका पद रिक्त करने की कार्यवाही प्रमेल में लाई जाए ;

और क्योंकि श्री श्याम लाल, सदस्य, ग्राम पंचायत बामटा, विकास खण्ड सदर ने अपना उत्तर खण्ड विकास अधिकारी के माध्यम से न भेजकर सीधा अधोहस्ताक्षरी को दिनांक 19-11-2003 को प्रस्तुत किया है जिसमें वह व्यक्त किया है कि उनके ऊपर लगाए गए आरोप निराधार है तथा इस बारे में छानबीन करवाई जाए ;

और क्योंकि श्री श्याम लाल, सदस्य, ग्राम पंचायत बामटा से प्राप्त उत्तर को खण्ड विकास अधिकारी, सदर से टिप्पणियां मांगी गईं जो उन्होंने अपने पत्र संख्या 7842, दिनांक 16-2-2004 के अन्तर्गत सत्यापित किया है कि उक्त श्री श्याम लाल, सदस्य, ग्राम पंचायत बामटा का आरोप निराधार है जबकि पंचायत द्वारा उसके परिवार में जीवित जन्मे बच्चों की प्रविष्टियां दी गई हैं तथा तीसरी सन्तान जो दिनांक 12-6-2003 को पैदा हुई है और ग्राम पंचायत के अभिलेखानुसार उक्त सदस्य, पंचायत पदाधिकारी होने के योग्य नहीं रहता ;

अतः मैं, सुभाषीश पांडा, उपायुक्त, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1)(0) व 2(11) के अन्तर्गत पंच पद से उसको अयोग्य घोषित करते हुए धारा 131(2) के अन्तर्गत श्री श्याम लाल, सदस्य, ग्राम पंचायत बामटा के पद को रिक्त घोषित करता हूं तथा उन्हें आदेश देता हूं कि यदि उक्त सदस्य के पास ग्राम पंचायत की कोई वस्तु, धनराशि या अभिलेख हो तो उसे पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत बामटा को सौंप दें ।

सुभाषीश पांडा,
उपायुक्त,
बिलासपुर, जिला बिलासपुर,
हिमाचल प्रदेश ।

कार्यालय उपायुक्त चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश -

कारण बताओ नोटिस

चम्बा, 24 मार्च, 2004

संख्या पंच-ए0(16) 10/79-02-II-1463.—एतद्वारा श्री बलदेव सदस्य, बाई हलेला, ग्राम पंचायत खडजोता, विकास खण्ड सलूनी, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन), अधिनियम 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकर्षित किया जाता है ।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निररहता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती ।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान को लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था से पदासीन के अयोग्य होगा । खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पत्र संख्या शून्य दिनांक शून्य के द्वारा प्रेषित ऑच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत खडजोता के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 15-8-2003

को हुआ है इस प्रकार यह आपकी चौथी सन्तान है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्य हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र प्राप्त के 15 दिनों के भीतर-भीतर उक्त के बारे में अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चम्बा, 24 मार्च, 2004

संख्या पंच-ए0(16) 10/79-02-II-1456.—एतद्वारा श्री गेमल, ग्राम पंचायत खडजोला, विकास खण्ड सलूणी, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन) 2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निरंरुता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था से पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पत्र संख्या शून्य दिनांक शून्य के द्वारा प्रेषित पांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत खडजोला के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 28-9-2003 को हुआ है इस प्रकार यह आपकी पांचवीं सन्तान है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप पत्र प्राप्त के 15 दिनों के भीतर-भीतर उक्त के बारे में अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चम्बा, 24 मार्च, 2004

संख्या पंच-ए0 (16) 10/79-02-II-1470.—एतद्वारा श्रीमती सोमा देवी, सदस्य, वार्ड ककेला, ग्राम पंचायत कोहलडी, विकास खण्ड चम्बा, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन) 2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निरंरुता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था से पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पत्र संख्या 1766, दिनांक 24-9-2003 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत कोहलडी के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 1-7-2003 को हुआ है। इस प्रकार वह आपकी तीसरी सन्तान है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर उक्त के बारे में अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 131(क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

चम्बा-176 310, 24 मार्च, 2004

संख्या पंच-ए0 (16) 10/79-02-II-1477.--एतद्वारा श्री विनोद कुमार, सदस्य, बार्ड नं0 5, ग्राम पंचायत भरमौर, विकास खण्ड भरमौर, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन) 2000 (2000 की अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)।

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निरंहुता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था से पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पत्र संख्या 1885, दिनांक 14-10-2003 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत भरमौर के अन्तर्गत दर्ज है। जिसका जन्म दिनांक 9-6-2003 को हुआ है। इस प्रकार यह आपकी चौथी सन्तान है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर उक्त के बारे में अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

चम्बा-176 310, 24 मार्च, 2004

संख्या पंच ए0 (19) 10/79-02-11-1482.--एतद्वारा श्री डोगरा, सदस्य, बार्ड नं0 1, ग्राम पंचायत पंजई, विकास खण्ड सलूणी, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन)

2000) (2000 की अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ग की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)।

परन्तु खण्ड ग के अधीन निर्गृहता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड ग का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था से पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय पत्र संख्या 5161, दिनांक 8-3-2004 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अनिश्चित सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत पंजैई के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 25-11-2003 को हुआ है। इस प्रकार यह आपकी आठवीं सन्तान है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ग के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप पत्र प्राप्त के 15 दिनों के भीतर-भीतर उक्त के बारे में अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि आपका उत्तर उक्त अवधि तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

राहुल आनन्द (भा0 प्र0 मे0),
उपायुक्त चम्बा,
जिला चम्बा (हि0 प्र0)।

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

धर्मशाला, 24 मार्च, 2004

संख्या पंच के0 जी0 आर0-ई0-1445-50.—यह कि श्री जरम सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कमनाला, विकास खण्ड नूरपुर, जिला कांगड़ा ने विभिन्न निर्माण कार्यों में ग्राम पंचायत की भारी धन राशि का दुरुपयोग/छलहरण किया है। प्रधान के विरुद्ध उक्त आरोपों की जांच खण्ड विकास अधिकारी एवं कनिष्ठ अभियन्ता विकास खण्ड नूरपुर द्वारा की गई जांच के अन्तर्गत पाया गया है कि श्री जरम सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कमनाला द्वारा रोक 52223.65/- रु० की पंचायत धनराशि का दुरुपयोग/छलहरण किया गया है।

प्रधान द्वारा किए गए उपरोक्त कृत्यों के सम्बन्ध में श्री जरम सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कमनाला को इस कार्यालय के पत्र संख्या पंच के0 जी0 आर0-1172, दिनांक 28-2-2004 द्वारा कारण बताओ नोटिस आरोप-पत्र सहित जारी किया गया था कि वह इस सम्बन्ध में अवधि 10 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें।

यह कि यद्यपि उपरोक्त प्रेषित कारण बताओ नोटिस श्री जरम सिंह, प्रधान को दिनांक 8-3-2004 को प्राप्त हो जाने के बावजूद भी उन्होंने अपना पक्ष (उत्तर) निर्धारित अवधि के भीतर प्रस्तुत नहीं किया परन्तु

इस संदर्भ में श्री जरम सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कमनाला ने अपने पत्र दिनांक 15-3-2004 द्वारा कारण बताओ नोटिस का उत्तर देने के लिए ग्राम पंचायत कमनाला का अभिलेख उपलब्ध कराने की मांग की है जिसके प्रति इस कार्यालय की तार सं० 1337, दिनांक 17-3-2004 जिसकी प्रति श्री जरम सिंह, प्रधान को भी भेजी गई है के अन्तर्गत विकास खण्ड अधिकारी, खण्ड विकास नूरपुर को दो दिनों के भीतर-भीतर ग्राम पंचायत कमनाला का वांछित अभिलेख श्री जरम सिंह, प्रधान को उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिया गया था ताकि श्री जरम सिंह, प्रधान कारण बताओ नोटिस का उत्तर इस कार्यालय को प्रेषित कर सके।

यह कि इतना समय व्यतीत हो जाने के बावजूद भी श्री जरम सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कमनाला का उत्तर (पक्ष) इस कार्यालय में प्राप्त नहीं हुआ है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्होंने अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है।

यह कि श्री जरम सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कमनाला, पंचायत धनराशि के दुरुपयोग/छलहरण के दोषी पाए गए है। इस प्रकार उनका प्रधान जैसे प्रतिभाशाली पद पर बने रहना जनहित में नहीं है।

अतः मैं, हेम राज शर्मा, जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(1)(ख) व (2) हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 142(1)(क) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री जरम सिंह, प्रधान ग्राम पंचायत, कमनाला, विकास खण्ड नूरपुर को प्रधान पद से तत्काल निलम्बित करता हूँ और उन्हें यह आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास पंचायत की चल-अचल सम्पत्ति, राशि अथवा रिकार्ड हों तो उसे ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी/उप-प्रधान ग्राम पंचायत कमनाला को सौंप दें। निलम्बन अवधि में उप-प्रधान ग्राम पंचायत कमनाला प्रधान की समस्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे।

हस्ताक्षरित/-

जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

कार्यालय उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

मण्डी, 18 मार्च, 2004

कमांक पी० सी० एन०-एम० एन० डी०/2001-760-860.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 व 131 (4) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 135 के उप नियम (2) के अन्तर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, अली राजा रिजवी, उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश, जिला मण्डी के पंचायती राज संस्थाओं के पदाधिकारियों के विभिन्न कारणों से प्राप्त हुए त्यागपत्रों को सलग्न सारणी अनुसार तुरन्त प्रभाव से स्वीकार करना हूँ तथा पदों को भी तुरन्त प्रभाव से रिक्त घोषित करता हूँ।

अली राजा रिजवी,

उपायुक्त मण्डी,

जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

क्र० सं०	विकास खण्ड का नाम	ग्राम पंचायत/पंचायत समिति का नाम	पद	वार्ड का नाम व संख्या	पदाधिकारी का नाम	पद रिक्त होने का कारण
1	2	3	4	5	6	7
1.	द्वंग	गुम्मा	पंच	1-सरी	श्रीमती शकुन्तला	घरेलू परिस्थितियों के कारण त्यागपत्र
2.	द्वंग	मशौली	पंच	5-मशौली-2	श्री ओंकार चन्द	मृत्यु के कारण
3.	द्वंग	लटरान	पंच	2-भूमच्याण	श्री राधे लाल	मृत्यु के कारण
4.	चौन्तड़ा	रोपड़ी	प्रधान	—	श्रीमती बबीता देवी	घरेलू परिस्थितियों के कारण त्यागपत्र
5.	चौन्तड़ा	ढेलू	उप-प्रधान	—	श्री मंहर चन्द	मृत्यु के कारण
6.	चौन्तड़ा	कथौण	पंच	2-बडाठाणा	श्री बलदेव सिंह	सरकारी नौकरी लगने के कारण त्यागपत्र
7.	चौन्तड़ा	पस्मल	पंच	3-पस्सल-1	श्री कुलदीप सिंह	घरेलू परिस्थितियों के कारण त्यागपत्र
8.	धर्मपुर	पंचायत समिति धर्मपुर	पंच० समिति सदस्य	20-गियोह	श्रीमती पुष्पा देवी	सरकारी नौकरी लगने के कारण त्यागपत्र
9.	धर्मपुर	सरी	पंच	1-कपाही	श्रीमती बबली देवी	मृत्यु के कारण
10.	धर्मपुर	बैरी	पंच	5-लोअर बैरी	श्री सुरेश कुमार	घरेलू परिस्थितियों के कारण त्यागपत्र
11.	धर्मपुर	बैरी	पंच	4-लोअर बैरी-2	श्री विधि चन्द	सरकारी नौकरी लगने के कारण त्यागपत्र
12.	धर्मपुर	मघोट	पंच	3-रोसौ-1	श्री जगत राम	घरेलू परिस्थितियों के कारण त्यागपत्र
13.	धर्मपुर	सघोट	पंच	7-सघोट-2	श्री बालम राम	मृत्यु के कारण
14.	धर्मपुर	स्योह	पंच	4-रांगड़	श्री भाग सिंह	मृत्यु के कारण
15.	धर्मपुर	टोरजाजर	पंच	3-बहमफाळ	श्री रूप लाल	सरकारी नौकरी लगने कारण त्यागपत्र
16.	गोपालपुर	धनालग	पंच	7-चौही-2	श्री प्रेम चन्द	तीसरी सन्तान होने के कारण त्यागपत्र
17.	गोपालपुर	धनालग	पंच	2-मांझैयाठ	श्री रतन चन्द	तीसरी सन्तान होने के कारण त्यागपत्र
18.	गोपालपुर	पटड़ीघाट	पंच	2-धनेड़	श्री जागेश्वर राम	मृत्यु के कारण
19.	सुन्दरनगर	बरतो	उप-प्रधान	—	श्री गान्धी राम	घरेलू परिस्थितियों के कारण त्यागपत्र
20.	सुन्दरनगर	खिलड़ा	पंच	5-धारण्डा-5	श्री मुनी लाल	तीसरी सन्तान होने के कारण त्यागपत्र
21.	सुन्दरनगर	खिलड़ा	पंच	7-खिलड़ा-2	श्री नन्द लाल	तीसरी सन्तान होने के कारण त्यागपत्र
22.	वल्ह	दसेहड़ा	उप-प्रधान	—	श्री कुलदीप सिंह	तीसरी सन्तान होने के कारण त्यागपत्र
23.	सराज	शिल्हीबागी	पंच	5-बहलोधार	श्रीमती द्रोम्पती देवी	तीसरी सन्तान होने के कारण त्यागपत्र
24.	करसोग	वही सरही	पंच	3-वही-3	श्री कनोहू राम	मृत्यु के कारण
25.	गोहर	गोहर	पंच	3-हरहलो	श्री ठाकर	तीसरी सन्तान होने के कारण त्यागपत्र

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

सोलन, 19 मार्च 2004

संख्या सोलन-4-121 (पंच)/87-1937-41.—यह कि श्री देवेन्द्र कुमार वाई मੈम्बर, ग्राम पंचायत हनुमान बडोग की शिकायत पर जांच पंचायत निरीक्षक, विकास खण्ड कुनिहार द्वारा की गई। जांच रिपोर्ट में दर्शाया गया है कि अनुसूचित जाति एवं जन जाति निगम, जिला सोलन द्वारा ग्राम पंचायत हनुमान बडोग को मु0 2.00 लाख रुपये दुकानों के निर्माण हेतु स्वीकृत किया गया था और प्रधान द्वारा निर्माण कार्य बारे खण्ड विकास अधिकारी कुनिहार, को आग्रह किया गया था कि अपने कनिष्ठ अभियन्ता, से निर्माण कार्य का मूल्यांकन करवाया जाए। कनिष्ठ अभियन्ता, विकास खण्ड कुनिहार, ने अपनी मूल्यांकन रिपोर्ट दिनांक 11-2-2003 में सूचित किया है कि दुकानों के निर्माण कार्य की नींव में किये गये कार्य की कार्य कुशलता निम्न स्तर की है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि दुकानों के निर्माण कार्य में लापरवाही बरती गई है।

अतः इससे पूर्व कि उक्त दुकानों के नींव कार्य में बर्ती गई लापरवाही करके कार्य निम्न स्तर का करने के मामले में प्रधान, ग्राम पंचायत हनुमान बडोग, के विरुद्ध हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (2) के अन्तर्गत अमल में लाई जाये उन्हें कारण बताओ नोटिस दिया जाता है कि वह अपना स्पष्टीकरण इस नोटिस के प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर इस कार्यालय को प्रस्तुत करें। निर्धारित समय अवधि भीतर उत्तर प्राप्त न होने की स्थिति में यह समझा जायेगा कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ कहना नहीं है और उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही की जायेगी।

हस्ताक्षरित/-

जिला पंचायत अधिकारी,
सोलन, जिला सोलन (हि0 प्र0)।